AMRITA VIDYALAYAM

ANNUAL EXAMINATION 2017 -'18

Class : VIII **Marks : 80**

Time : 2½ hrs

हिन्दी

निर्देश:

1. इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड – क

I. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तरवाले विकल्प चुनकर लिखिए। **5**

प्राचीनकाल में गुरुओ के आश्रम बड़े-बड़े विद्यालयों के रूप में परिणाम हो जाते थे। विद्यार्थी गुरु के पास रहकर विद्याध्ययन करता था। बालक के चरित्र निर्माण का दायित्व पूर्णतया गुरु पर ही निर्भर रहता था। पर आज स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय में फीस देकर विद्या प्राप्त की जाती है। विद्यार्थी तो घर पर रहता है या छात्रवास में। इसलिए विद्यार्थी और अध्यापकों के बीच समुचित संपर्क नहीं हो पाते। फलत: आज विद्यार्थियों में सेवाभाव और अनुशासन का लोप हो जाता है और अध्यापकों में विद्यार्थियों के प्रति सहानुभूति का अभाव होता है।

क. प्राचीनकाल में विद्यार्थी कहाँ से विद्याध्ययन करता था?
(स्कूल में, कॉलेज में, विश्वविद्यालय में, गुरु के पास)

ख. प्राचीनकाल में बालक के चरित्र निर्माण का दायित्व किसका था?
(अध्यापक का, गुरु का, माता-पिता का, बालकों का)

ग. आज विद्यार्थी कहाँ से विद्याध्ययन करता है?
(स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालयों से, घरों से, गुरुओ से, माता-पिताओ से)

घ. आज विद्यार्थियों में किन-किन गुणों का लोप होता जाता है?
(घमंड और सहानुभूति, सेवाभाव और अनुशासन, सहानुभूति और अनुशासन, सेवाभाव और घमंड़)

ङ. इस खण्ड का उचित शीर्षक लिखिए।
(विद्यार्थी और गुरु, विद्यार्थी का चरित्र निर्माण, आदर्श विद्यार्थी, अध्यापक)

II. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **5**

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर अनजाने ही हो
जाता पथ पर मेल कही

सीमित पग डग लंबी मंज़िल
तय कर लेना कुछ खेल नहीं
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते
सम्मुख चलता पथ का प्रमाद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।
जो साथ न मेरा है, दे पाए
उनसे कब सूनी हुई डगर
मैं भी चलूँ यदि तो भी
क्या राही मर, लेकिन राह अमर
इस पथ पर वे ही चलते हैं
जो चलने का पा गए स्वाद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस उस राही को धन्यवाद।

क. कवि के अनुसार जीवन कैसा है?
(नश्वर और क्षण-भंगुर है, अनजाने और अस्थिर है, अनश्वर और सुखी है, अनाथ और दुखी है)

ख. जीवन रूपी यात्रा में कैसे अनुभव आता है?
(सुख और उन्माद के, सुख-दुख के, उन्माद और जोश के, सिर्फ सुख के)

ग. कवि किसको धन्यवाद करता है?
(राह को, स्नेह देनेवाले साथियों को, स्नेह को, माता-पिता को)

घ. 'राह' का अर्थ क्या है?
(जीवन, मनुष्य, कल्पना, धन)

ङ. कविता का उचित शीर्षक दीजिए।
(मनुष्य की यात्रा, राह और राही, जीवन रूपी यात्रा, मृत्यु)

III. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए। 5

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देनेवाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती है। अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। डॉक्टर हयूड़ के अनुसार आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास नहीं है। कारलाइल के अनुसार जी से हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ उसका दुख घटेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। हँसी सबको भली लगती है। जो मनुष्य हँसते नहीं उन्हें ईश्वर बचाए। प्रसन्न लोग कोई बुरी बात नहीं कहते। हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और भलाई की सखी है। जहाँ तक बने हँसी से आनंद प्राप्त करो।

क. हँसी अच्छे स्वास्थ्य की संवाद है, क्योंकि उससे -----।
(मनुष्य हास परिहास में व्यस्त रहता है, मन में खुशी बनी रहती है, एक साथ शरीर

और मन दोनों प्रसन्न होते हैं, मनुष्य चुस्त रहता है)

ख. हँसी एक शक्तिशाली दवा होती है क्योंकि उससे -------।
(शरीर में हल्कापन रहता है, शरीर और मन दोनों प्रसन्न रहते हैं, मन प्रसन्न बना रहता है, रक्त और स्वेद प्रक्रिया दुरुस्त किया है)

ग. कारलाइल के अनुसार वह बुरा नहीं होता जो -----।
(कभी नहीं हँसता, हर बात पर हँसता रहता है, मित्र के साथ ही हँस बोलता है, जी से हँसता है)

घ. हँसी किसकी सखी है?
(वैर और बदनामी की, भलाई की, मनुष्य की, विनोद की)

ङ. मित्र, शत्रु, अनजान, निराशा आदि सभी मनुष्य पर हँसी का कैसा प्रभाव होता है?
(शुभ और स्वास्थ्यवर्धक, सकारात्मक, नकारात्मक, रक्तवर्धक)

खण्ड – ख

IV. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए।

1. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्द को रेखांकित करके उसके भेद का नाम लिखिए। **2**

क. यह जरूरी नहीं है कि वह ग्रेजुएट हो।

ख. उम्मीदवार आने लगे।

2. उपसर्ग हटाकर मूल शब्द लिखिए। **2**

क. प्रत्येक ख. उपयोग

3. क्रिया शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए। **2**

क. घबराना ख. चलना

4. लिंग बदलकर लिखिए। **2**

क. शिक्षक ख. राजा

5. वचन बदलकर लिखिए। **2**

क. हाँडी ख. स्त्री

6. सर्वनाम किसे कहते हैं? उसका भेद लिखिए। **2**

7. महीने का नाम जोड़कर लिखिए। **2**

क. 12-6-2017 ख. 10-5-1869

8. अनेकार्थ लिखिए। **1**

क. ज़रा ख. डाल

खण्ड – ग

V. पठित पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

क. पौधे किन कारणों से मर जाते हैं?

ख. दीवान ने उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता क्यों नहीं माँगी?

ग. महात्मा बुद्ध की बातों का अंगुलिमाल पर क्या असर पड़ा?

घ. व्यापारी किस प्रकार गरीब हो गया?

ङ. बुढ़िया मंदिर के दरवाज़े पर क्यों खड़ी होती थी?

VI. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए। 6

लेकिन मनुष्यों का वह बूझा जौहरी आड़ में बैठा हुआ देख रहा था कि इनमें हँस कहाँ छिपा है? इस वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

डाकू अंगुलिमाल की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

VII. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में दीजिए। 9

क. बुढ़िया को सेठ जी से क्यों घृणा हुई?

ख. धनिक पुत्र द्वारा क्षमा माँगने पर तिरुवल्लुवर ने उसे क्या समझाया?

ग. मंत्री का पुत्र किस प्रकार प्रकांड पंड़ित बन गए?

खण्ड – घ

VIII. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। 7

ड़ाकिया के लापरवाह हेतु शिकायत करते हुए डाकपाल को पत्र लिखिए।

अथवा

पुस्तकें मँगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखिए।

IX. दिए गए बिदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 8

क. विद्यार्थी और अनुशासन

- अनुशासन का अर्थ
- अनुशासन की आवश्यकता
- सच्चा नागरिक
- अनुशासन से लाभ

ख. परोपकार

- परोपकार का अर्थ
- परोपकार का महत्व
- परोपकार से प्राप्त अलौकिक सुख
- परोपकार में ही जीवन की सार्थकता

X. मनुष्य ने बड़ी निर्दयता से पेड़-पौधों का दोहन किया है। यदि ऐसा होता रहा तो एक दिन ऐसा आयेगा कि धरती वीरान हो जाएगी। इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। 5

XI. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में प्रस्तुत कीजिए। 5